INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI (2nd lang.)	Department: Hindi	
पाठ -6-'जो देखकर भी नहीं देखते'(निबंध)	**Topic:** प्रश्नोत्तर, शब्दार्थ	**Note: Pl. write in your note book**

पाठ-6-'जो देखकर भी नहीं देखते'(निबंध)

प्रश्नोत्तर

अति लघु प्रश्न :-

प्रश्न -1- हेलेन केलर किस आयु में अपनी देखने-सुनने की शक्ति खो चुकी थी ?

उ- हेलेन केलर डेढ़ वर्ष की आयु में अपनी देखने-सुनने की शक्ति खो चुकी थी |

प्रश्न -2- किस वृक्ष की छाल खुरदरी होती है ?

उ- चीड़ के पेड़ की छाल खुरदरी होती है |

प्रश्न -3- लेखिका की सहेली कहाँ से सैर करके लौटी थी ?

उ- लेखिका की सहेली जंगल से सैर करके लौटी थी |

प्रश्न -4- वसंत के मौसम में लेखिका क्या खोजती है ?

उ - वसंत के मौसम में लेखिका टहनियों पर नयी कलियाँ खोजती है।

प्रश्न -5-विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक चीजों को छूने से लेखिका को कैसा महसूस होता है?

उत्तर- विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक चीजों को छूने से लेखिका को प्रसन्नता महसूस होती है।

लघु प्रश्न :-

प्रश्न. 1-'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है ?

उत्तर:- प्रकृति के अनमोल खजाने को, उसके अनमोल सौंदर्य और उसमें होने वाले नित्य-प्रतिदिन बदलाव को 'प्रकृति का जादू' कहा गया है।

प्रश्न 2- लेखिका को झरने का पानी कब आनंदित करता है?

उत्तर:-लेखिका जब झरने के पानी में उंगलियाँ डालकर उसके बहाव को महसूस करती है, तब वह आनंदित हो उठती है |

प्रश्न 3- हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती थी ?

उत्तर:- हेलेन केलर यह जानने के लिए अपने मित्रों की परीक्षा लेती थी कि उन्होंने जंगल में क्या-क्या देखा है ?

प्रश्न 4- मनुष्य का स्वभाव क्या है ?

उत्तर:- मनुष्य का यह स्वभाव है कि वह अपनी ताकत और अपने गुणों को नहीं पहचानता | वह नहीं जानता कि ईश्वर ने उसे क्या-क्या दिया है । वह उसका लाभ नहीं उठा पाता | वह केवल उस चीज के पीछे भागता है, जो उसके पास नहीं है।

दीर्घ प्रश्न :-

प्रश्न 1. 'जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' – हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था?

उत्तर:- जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' – हेलेन केलर को ऐसा इसलिए लगता था क्योंकि आँखों वाले लोग पूछने पर उनसे कहा करते थे कि उन्होंने कुछ खास नहीं देखा। प्रकृति की जो सुंदरता वह आँखें न होते हुए भी महसूस कर लेती थी, उसे उसके मित्र आँखें होते हुए भी महसूस नहीं कर पाते थे ।

प्रश्न 2 . 'कुछ खास तो नहीं'- हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों नहीं हुआ?

उत्तर:- हेलेन केलर की प्रिय मित्र जब जंगल की सैर से वापस आई तो हेलेन ने उससे पूछा कि उसने जंगल में क्या देखा ? इस पर उसका जवाब था - कुछ खास तो नहीं । हेलेन केलर को यह सुनकर आश्चर्य नहीं हुआ क्योंकि वह इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी थी ।लोग यह कहा करते थे कि उन्हें कुछ खास नज़र नहीं आया ।

प्रश्न 3 . हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं?

उत्तर:- हेलन भोज-पत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड़ की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती थी। वसंत के दौरान वे टहनियों में नयी कलियाँ, फूलों की पंखुडियों की मखमली सतह और उनकी घुमावदार बनावट को भी छूकर पहचान लेती थीं।

शब्दार्थ :-

1- दृष्टिहीन- अंधा , blind

2 -प्राकृतिक – कुदरती natural

3 -दृष्टि – देखने की ताकत, निगाह sight, glance

4 - **अचरज – आश्चर्य surprise**

5 - **आदी होना – आदत पड़ जाना habitual**

6 - **विश्वास – यकीन -faith**

7 - विशेष – खास special

8 - स्पर्श- छूना touch

9 - मखमली सतह – मुलायम परत soft surface

10 - बनावट- निर्माण, structure

11 - अपार-बेहद, असीम incomparable, shoreless

12 - स्पर्श करना – छूना to touch,

13 - मधुर स्वर –मीठी आवाज़ Melodious voice

14 - अहसास- अनुभव feeling, experience

15 - आनंदित- खुश happy

16 - मन मुग्ध होना –मन प्रसन्न होना to be happy

17 - समाँ – वातावरण season, time period

18 - क्षमताओं –गुण, ताकत capacity

19 - नियामत -ईश्वरीय उपहार God's grace

****